...कर दूसरे उपयोग में लगाया जाता है तो सामान्य अवसर लागत में बढ़ने की प्रवृत्ति पाई जाती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)
[Multiple Choice Questions (1 *Mark*)]

निर्देश— निम्नांकित प्रश्नों के चार विकल्प दिये गये हैं, जिनमें से एक सही है। सही विकल्प को उत्तर तालिका में चिह्नित कीजिए :

1. किसके अनुसार अर्थशास्त्र मानव कल्याण का विज्ञान है? (*JAC*, 2012, 15, 18)
(a) ए. मार्शल (b) पॉल सैम्युलसन
(c) जे. एस. मिल (d) एडम स्मिथ

2. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्या कौन-सी है? (*JAC*, 2014, 18)
(a) साधनों का आबण्टन (b) साधनों का कुशलतम प्रयोग
(c) आर्थिक विकास (d) इनमें से सभी

3. व्यष्टि अर्थशास्त्र की शाखाएँ कौन-सी हैं?
(a) वस्तु कीमत निर्धारण (b) साधन कीमत निर्धारण
(c) आर्थिक कल्याण (d) इनमें से सभी

4. समष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत निम्न में किसका अध्ययन किया जाता है?
(a) राष्ट्रीय आय (b) पूर्ण रोजगार
(c) कुल उत्पादन (d) इनमें से सभी

5. उस वक्र का नाम बताएँ जो आर्थिक समस्या दर्शाता है : (*JAC*, 2012, 14)
(a) उत्पादन वक्र (b) माँग वक्र
(c) उदासीनता वक्र (d) उत्पादन सम्भावना वक्र

6. उत्पादन सम्भावना वक्र :
(a) अक्ष की ओर नतोदर होती हैं (b) अक्ष की ओर उन्नतोदर होती हैं
(c) अक्ष के समान्तर होती हैं (d) अक्ष के लम्बवत् होती हैं

7. उत्पादन सम्भावना वक्र का ढाल गिरता है : (*JAC*, 2017)
(a) बायें से दायें (b) दायें से बायें
(c) ऊपर से नीचे (d) नीचे से ऊपर

8. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्या है—
(a) क्या उत्पादन हो (b) कैसे उत्पादन हो
(c) उत्पादित वस्तु का वितरण कैसे हो (d) इनमें से सभी

9. निम्नलिखित में कौन उत्पत्ति का साधन नहीं है?
(a) भूमि (b) श्रम (c) मुद्रा (d) पूँजी

10. सबसे पहले 'माइक्रो' शब्द का प्रयोग करने वाले हैं?
(a) मार्शल (b) बोल्डिंग
(c) कीन्स (d) रैगनर फ्रिश

11. अर्थशास्त्र की कल्याण सम्बन्धी परिभाषा के जन्मदाता थे :
(a) एडम स्मिथ (b) मार्शल
(c) रॉबिन्स (d) सैम्युल्सन

12. अर्थशास्त्र के जनक कौन थे? (*JAC*, 2012, 14)
(a) जे. बी. से (b) माल्थस
(c) एडम स्मिथ (d) जॉन रॉबिन्सन

13. व्यष्टि अर्थशास्त्र में सम्मिलित होती है :
(a) व्यक्तिगत इकाई (b) छोटे-छोटे इकाई
(c) व्यक्तिगत मूल्य निर्धारण (d) इनमें से सभी

14. "अर्थशास्त्र चयन का विज्ञान है" किसने कहा है? (*JAC*, 2012)
(a) हिक्स (b) कीन्स (c) रॉबिन्स (d) मार्शल

15. आर्थिक क्रियाओं के अध्ययन के सन्दर्भ में अर्थशास्त्र को दो शाखाओं—व्यष्टि और समष्टि में किस अर्थशास्त्री ने विभाजित किया?
(a) मार्शल (b) रिकार्डो
(c) रैगनर फ्रिश (d) इनमें से कोई नहीं

16. व्यष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत निम्न में से किसका अध्ययन किया जाता है? (*JAC*, 2016, (*Arts*))
(a) व्यक्तिगत इकाई (b) आर्थिक समग्र
(c) राष्ट्रीय आय (d) इनमें से कोई नहीं

Scanned with CamScanner

17. निम्न में से कौन-सी आर्थिक क्रियाएँ अर्थशास्त्र की अध्ययन सामग्री के अन्तर्गत सम्मिलित की जाती हैं?
(a) असीमित आवश्यकताओं से जुड़ी आर्थिक क्रियाएँ
(b) सीमित साधनों से जुड़ी आर्थिक क्रियाएँ
(c) a और b दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

18. आर्थिक समस्या मूलत: किस तथ्य की समस्या है?
(a) चुनाव की (b) उपभोक्ता चयन की
(c) फर्म चयन की (d) इनमें से कोई नहीं

19. अर्थव्यवस्था को वर्गीकृत किया जा सकता है : (*JAC*, 2015)
(a) पूँजीवादी के रूप में (b) समाजवादी के रूप में
(c) मिश्रित के रूप में (d) इनमें से सभी

20. निम्न में से किस अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र एवं सार्वजनिक क्षेत्र का सह-अस्तित्व होता है?
(a) पूँजीवादी (b) समाजवादी
(c) मिश्रित (d) इनमें से कोई नहीं

21. निम्न में से कौन आर्थिक क्रिया का एक प्रकार है? (*JAC*, 2013)
(a) उत्पादन (b) उपभोग
(c) विनिमय (d) इनमें से सभी

22. साधन की प्रमुख विशेषताएँ कौन-सी हैं?
(a) यह मानव आवश्यकताओं की तुलना में सीमित हैं
(b) इनका वैकल्पिक प्रयोग सम्भव है
(c) a व b दोनों
(d) इनमें से कोई नहीं

23. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?
(a) मनुष्य की आवश्यकताएँ अनन्त होती हैं
(b) साधन सीमित होते हैं
(c) दुर्लभता की समस्या चयन को जन्म देती है
(d) उपर्युक्त सभी

24. 'माइक्रोज' जिसका अर्थ छोटा होता है, निम्न में से कौन-सी भाषा से उद्धृत हुआ है? (*JAC*, 2013)
(a) अरबी (b) ग्रीक (c) जर्मन (d) अंग्रेजी

25. निम्न में से किन आधार स्तम्भ पर आर्थिक समस्याओं का ढाँचा खड़ा है?
(a) असीमित आवश्यकताओं (b) सीमित साधन
(c) a व b दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

26. किस अर्थव्यवस्था में कीमत तन्त्र के आधार पर निर्णय लिये जाते हैं?
(a) समाजवादी (b) पूँजीवादी
(c) मिश्रित (d) इनमें से कोई नहीं

27. एक समाजवादी अर्थव्यवस्था का मूल उद्देश्य होता है :
(a) अधिकाधिक उत्पादन (b) आर्थिक स्वतन्त्रता
(c) लाभ कमाना (d) अधिकतम लोक कल्याण

28. किसने कहा कि "अर्थशास्त्र धन का विज्ञान है"? (*JAC*, 2013)
(a) मार्शल (b) रॉबिन्स
(c) एडम स्मिथ (d) जे. के. मेहता

29. उत्पादन के निम्न में कौन-से साधन हैं?
(a) भूमि (b) श्रम
(c) पूँजी (d) इनमें से सभी

30. उपभोक्ता व्यवहार का अध्ययन किया जाता है–
(a) सूक्ष्म अर्थशास्त्र में (b) आय विश्लेषण में
(c) समष्टि अर्थशास्त्र में (d) इनमें से कोई नहीं

31. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ क्या हैं? (*JAC*, 2012)
(a) साधनों के बँटवारे की समस्या
(b) साधनों का पूर्ण उपयोग कैसे हो
(c) साधनों का विकास कैसे हो
(d) इनमें से सभी

Scanned with CamScanner

लघु उत्तरीय प्रश्न (I एवं II) (3 अंक एवं 4 अंक)
(Short Answer Type Questions (I and II) (3 Marks & 4 Marks))

प्रश्न 1. आर्थिक समस्याएँ उत्पन्न होने के मुख्य कारण क्या हैं? (What are the main causes of origin of economic problems ?)

(JAC, 2018)

अथवा (Or)

केन्द्रीय समस्याएँ क्यों उत्पन्न होती हैं? (Why do Central Problems arise ?)

अथवा (Or)

अर्थव्यवस्था में संसाधनों के आवण्टन से सम्बन्धित समस्याएँ क्यों उत्पन्न होती हैं? समझाइए। (Why do problems related to allocation of resources in an economy arise ? Explain.) *(JAC, 2013)*

उत्तर– आर्थिक समस्या उत्पन्न होने के प्रमुख कारण हैं–

(i) असीमित आवश्यकताएँ (Unlimited Wants)– मनुष्य की आवश्यकताएँ अनन्त और असीमित होती हैं। एक आवश्यकता के पूर्ण हो जाने पर नयी आवश्यकताएँ उत्पन्न होती रहती हैं। अत: मनुष्य की सभी आवश्यकताओं को सन्तुष्ट नहीं किया जा सकता है।

(ii) आवश्यकताओं की तीव्रता में अन्तर (Difference in Intensity of Wants)– आवश्यकताएँ तीव्रता की दृष्टि से भी भिन्न होती हैं अर्थात् प्रत्येक मनुष्य के लिए कुछ आवश्यकताएँ अधिक महत्वपूर्ण हैं और कुछ के लिए कम। अत: महत्व के आधार पर प्रत्येक व्यक्ति अपनी विभिन्न आवश्यकताओं को अलग-अलग प्राथमिकता के क्रम में रख सकता है।

(iii) सीमित या दुर्लभ साधन (Limited or Scarce Resources)– साधनों की सीमितता अथवा दुर्लभता से अभिप्राय है कि इनकी माँग इनकी पूर्ति से अधिक होती है।

(iv) साधनों का वैकल्पिक प्रयोग (Alternative Uses of Resources)– साधन न केवल सीमित होते हैं बल्कि इनके वैकल्पिक उपयोग भी होते हैं। उदाहरण के लिए, बिजली का उपयोग बिजली के पंखे, कूलर, फ्रिज, रोशनी आदि में किया जा सकता है। अत: यहाँ भी हमारे सामने यह समस्या उत्पन्न हो जाती है कि हम किस साधन को किस काम के लिए प्रयोग करें।

(v) चयन या चुनाव की समस्या (Problem of Choice)– कोई भी व्यक्ति परिवार या देश अपने सीमित साधन से अपनी सभी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता। अत: उसके सामने यह समस्या बनी रहती है कि वह अपने कौन-से साधन को कितनी मात्रा में कौन सी आवश्यकता की पूर्ति में लगाये ? अन्य शब्दों में, "उसके सामने चयन की समस्या उत्पन्न हो जाती है और चयन की समस्या ही आर्थिक समस्या कहलाती है।"

उपर्युक्त विवेचन से यह स्पष्ट है कि चयन की समस्या ही आर्थिक समस्या है। यदि मानवीय आवश्यकताओं की तरह साधन भी असीमित होते तो चयन की समस्या उत्पन्न नहीं होती और न ही कोई आर्थिक समस्या। दूसरे शब्दों में साधनों की दुर्लभता ही सभी आर्थिक समस्याओं की जननी है। संक्षेप में, असीमित आवश्यकताएँ एवं सीमित साधन दो आधारभूत स्तम्भ हैं जिन पर सभी आर्थिक समस्याओं का ढाँचा खड़ा है। "अर्थशास्त्र में आर्थिक समस्या का उदय तभी होता है जब चयन की समस्या या दुर्लभता की समस्या उत्पन्न होती है।"

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. अर्थशास्त्र की विषय-वस्तु की विवेचना कीजिए। (Explain the subject-matter of Economics.)

उत्तर – विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने अर्थशास्त्र के अभिप्राय को एवं अर्थशास्त्र की विषय-सामग्री को भिन्न-भिन्न रूपों में प्रस्तुत किया है। विभिन्न अर्थशास्त्रियों के भिन्न-भिन्न दृष्टिकोणों को चार वर्गों में बाँटकर अर्थशास्त्र की विषय-सामग्री का विश्लेषण किया जा सकता है।

(i) धन सम्बन्धी विचारधारा (Wealth related Viewpoint) – प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों एडम स्मिथ, जे बी से, वाकर, सीनियर आदि ने धन, इसके अर्जन, वितरण एवं प्रयोग को अर्थशास्त्र की विषय सामग्री में सम्मिलित किया है। इन अर्थशास्त्रियों ने अर्थशास्त्र की विषय-वस्तु में आर्थिक मानव एवं उसकी क्रियाओं को सम्मिलित किया।

(ii) कल्याणवादी विचारधारा (Welfare related Viewpoint) – मार्शल एवं उनके समकालीन अर्थशास्त्रियों ने अर्थशास्त्र की विषय-सामग्री में धन के स्थान पर मानव कल्याण के विचार की स्थापना की। कल्याणवादी विचारधारा के अनुसार अर्थशास्त्र की विषय सामग्री में उन आर्थिक क्रियाओं को सम्मिलित किया जाना चाहिए जिनका सम्बन्ध भौतिक कल्याण से होता है।

(iii) दुर्लभता सम्बन्धी विचारधारा (Scarcity related Viewpoint) – रॉबिन्स ने अर्थशास्त्र की विषय-सामग्री में सीमित साधन एवं असीमित साध्यों से सम्बन्धित चुनाव समस्याओं को सम्मिलित किया है। रॉबिन्स के विचार में अर्थशास्त्र की विषय-सामग्री में मानव व्यवहार की उन क्रियाओं को सम्मिलित किया जाता है जिनमें मानव अपने सीमित साधनों तथा अपनी असीमित आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करता है।

(iv) विकास-केन्द्रित विचारधारा (Growth Viewpoint) – आधुनिक अर्थशास्त्रियों ने विकास-केन्द्रित क्रियाओं को अर्थशास्त्र की विषय-सामग्री में सम्मिलित किया। सैम्युलसन के अनुसार अर्थशास्त्र की विषय-सामग्री में 'सीमित साधनों के वितरण' एवं 'आर्थिक विकास' – दोनों पहलुओं को सम्मिलित किया जाता है।

प्रश्न 3. एक अर्थव्यवस्था की तीन आधारभूत आर्थिक क्रियाएँ बताइये। (Mention three fundamental economic activities of an economy.)

उत्तर – एक अर्थव्यवस्था की तीन आधारभूत आर्थिक क्रियाएँ हैं :

(i) उत्पादन – उत्पादन अर्थशास्त्र का एक महत्त्वपूर्ण विभाग है जिसमें इस बात का अध्ययन किया जाता है कि धन का उत्पादन कैसे तथा किन-किन साधनों से होता है? उत्पादन से अभिप्राय उस आर्थिक क्रिया से है जिसके फलस्वरूप मूल्य का निर्माण होता है या वर्तमान वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि होती है। वस्तुओं के रूप परिवर्तन, स्थान परिवर्तन आदि से उनके मूल्यों में वृद्धि होती है, इसे ही उत्पादन कहा जाता है।

(ii) उपभोग – उपभोग वह आर्थिक क्रिया है जिसमें व्यक्तिगत तथा सामूहिक आवश्यकताओं की सन्तुष्टि के लिए वस्तुओं और सेवाओं की उपयोगिता का उपयोग किया जाता है। भोजन करना, कपड़ा पहनना आदि उपभोग की क्रियाएँ हैं।

(iii) निवेश या पूँजी निर्माण – एक लेखा वर्ष में अर्थव्यवस्था की भौतिक पूँजी के स्टॉक में वृद्धि को पूँजी निर्माण या निवेश कहते हैं। दूसरे शब्दों में, एक लेखा वर्ष में 'उपभोग पर उत्पादन का आधिक्य' पूँजी निर्माण कहलाता है।

प्रश्न 4. क्या और कितनी मात्राओं में उत्पादन किया जाए? समझाइए। (What and How much to produce? Explain.)

अथवा (*Or*)

केन्द्रीय समस्या 'क्या उत्पादन किया जाये को समझाइए। (Clarify the central problems that 'what should be produced' ?)

(*JAC, 2014*)

उत्तर – किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की पहली मूल समस्या यह होती है कि अर्थव्यवस्था में किन-किन वस्तुओं और सेवाओं का और कितनी मात्रा में उत्पादन किया जाये। चूँकि हमारे पास उत्पादन के साधन सीमित हैं। अतः इन साधनों से हमें यह निर्णय लेना होता है कि किन-किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाये जैसे- गेहूँ, चीनी, मकान, कपड़ा आदि। जब वस्तुओं की किस्मों का निर्णय ले लिया जाता है तो उनकी मात्राओं के बारे में निर्णय लेना होता है। जैसे, कितने टन गेहूँ, कितने टन चीनी, कितने मीटर कपड़ा तथा कितने मकान इत्यादि उत्पादन किया जाये। अतः किन-किन वस्तुओं का और कितनी-कितनी मात्रा में उत्पादन किया जाये, इसका निर्णय प्राथमिकताओं अथवा अधिमानों के आधार पर लिया जाता है। इस प्रकार अर्थव्यवस्था में चुनाव की समस्या उत्पन्न होती है। यदि समाज वर्तमान समय में अधिक उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन को प्राथमिकता देता है तो भविष्य में वह उनकी कम मात्रा का उत्पादन करेगा। दूसरी ओर सम्पूर्ण पूँजीगत वस्तुओं को अधिक प्राथमिकता देने का मतलब यह होता है कि वर्तमान में उपभोक्ता वस्तुओं का कम और भविष्य में अधिक उत्पादन करना होता है क्योंकि साधन सीमित हैं। अतः कुछ वस्तुएँ यदि अधिक मात्रा में उत्पादित की जाती हैं तो कुछ अन्य वस्तुओं की मात्रा में कमी करनी होगी।

प्रश्न 5. उदाहरण की सहायता से अवसर लागत को स्पष्ट कीजिए। (Explain the Opportunity Cost with an example.)

(*CBSE, 2012, 13*)

अथवा (*Or*)

अवसर लागत की परिभाषा दीजिए। (Define opportunity cost.)

(*JAC, 2013*)

अथवा (*Or*)

अवसर लागत क्या है? (What is opportunity cost.) (*JAC, 2017*)

उत्तर – अवसर लागत की धारणा इस तथ्य पर आधारित है कि उत्पत्ति के साधन सीमित किन्तु अनेक प्रयोग वाले हैं। चूँकि प्रत्येक साधन सीमित है इसलिए उसको सभी प्रयोगों में पूर्ण रूप से प्रयुक्त नहीं किया जा सकता है। समाज द्वारा किसी साधन को एक उद्देश्य के लिए प्रयोग करने का अर्थ है कि उसका अन्य उद्देश्य में प्रयोग में लेने के अवसर का त्याग करना पड़ेगा। किसी एक वस्तु के उत्पादन की अवसर लागत वस्तु की वे मात्राएँ हैं जिनका हमें त्याग करना पड़ता है। अतः यह लागत जो किसी साधन को उसके वर्तमान कार्य में लगे रहने के लिए प्रेरित करती है, अवसर लागत कहलाती है।

उदाहरण के लिए, यदि किसी साधन विशेष की एक निश्चित मात्रा को दो प्रयोगों– गेहूँ उत्पादन अथवा मशीन उत्पादन में लगाया जा सकता है और यदि एकसमान साधनों से ₹ 5 लाख मूल्य का गेहूँ अथवा ₹ 4 लाख मूल्य की मशीन उत्पादित की जा सकती है तो साधनों के बेहतर प्रतिफल की दृष्टि से साधनों को गेहूँ के उत्पादन में लगाया जाएगा अर्थात् ₹ 5 लाख मूल्य के गेहूँ के बदले ₹ 4 लाख मूल्य की मशीनों का परित्याग किया जाएगा। इस प्रकार परित्याग की गई मशीनों का मूल्य उत्पादित किये गये गेहूँ के मूल्य की अवसर लागत कहलाएगी।

प्रश्न 6. एक अर्थव्यवस्था की किन्हीं तीन केन्द्रीय समस्याओं के नाम बताइए। (Explain any three central problems of an economy.)

(*JAC, 2012, 14, 17*)

उत्तर – प्रत्येक अर्थव्यवस्था में निम्न तीन केन्द्रीय समस्याएँ होती हैं–

(i) क्या उत्पादन किया जाए तथा कितनी मात्रा में किया जाए? प्रत्येक अर्थव्यवस्था की सबसे पहली समस्या यह है कि कौन सी वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन किया जाए जिससे व्यक्तियों की अधिकतम आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। उसके बाद यह निर्णय लेना पड़ता है कि इन वस्तुओं का कितनी मात्रा में उत्पादन किया जाए?

(ii) उत्पादन कैसे किया जाए? अर्थव्यवस्था के सामने दूसरी समस्या यह है कि वांछित वस्तु का उत्पादन कैसे किया जाए? [illegible] तकनीक के चुनाव की समस्या है। उत्पादन की तकनीक दो प्रकार की होती है – (क) श्रम प्रधान तकनीकी (ख) पूँजी प्रधान तकनीक।

(iii) उत्पादन किसके लिए किया जाए? अर्थात् उत्पादन का वितरण कैसे किया जाए? उत्पादन का समाज के विभिन्न व्यक्तियों तथा वर्गों में वितरण किस प्रकार किया जाए।

Scanned with CamScanner

प्रश्न . उत्पादन सम्भावना वक्र का बाईं ओर खिसकाव क्या प्रकट करता है? (What does the shifting of Production Possibility Curve towards left represent ?)

उत्तर – PP वक्र बाईं ओर तब खिसक जाता है जैसा कि चित्र में PP से हटकर P_1P_1 हो गया है। जब

(i) अर्थव्यवस्था के संसाधन घट जाते हैं जैसे मशीनों का टूट-फूट या चलन से बाहर हो जाना, किसी प्राकृतिक संसाधन का समाप्त हो जाना, उत्पादन व मशीन के पुर्जे न मिलना आदि होने से PP वक्र बाईं ओर खिसक जाता है।

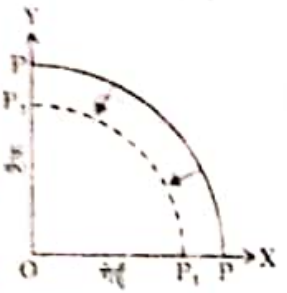

(ii) जब उत्पादन की तकनीक पुरानी व अप्रचलित हो जाती है। फलस्वरूप अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता गिर जाती है। अत: PP वक्र का बाईं ओर खिसकना संसाधनों का अल्प व अकुशल उपयोग दर्शाता है।

संक्षेप में हम यह कह सकते हैं कि PP वक्र के खिसकने के दो मुख्य कारण हैं– (i) दिए हुए संसाधनों की मात्रा में परिवर्तन और (ii) उपलब्ध तकनीक या प्रौद्योगिकी में परिवर्तन।

प्रश्न 8. उत्पादन सम्भावना वक्र क्या है? व्याख्या कीजिए। (What is Production Possibility Curve ? Explain.) (*JAC*, 2013)

उत्तर – वस्तुओं के उत्पादन के लिए अनेक विकल्प अर्थव्यवस्था के सामने आते हैं जिन्हें अर्थव्यवस्था की उत्पादन सम्भावनाएँ कहते हैं। यदि इन उत्पादन सम्भावनाओं को रेखाचित्र के द्वारा प्रदर्शित किया जाए तो उनके द्वारा बनने वाली रेखा को उत्पादन सम्भावना वक्र कहते हैं। उत्पादन सम्भावना वक्र वस्तुओं तथा सेवाओं के ऐसे सभी सम्भव संयोगों को प्रदर्शित करता है जिन्हें अर्थव्यवस्था में उपलब्ध संसाधनों एवं तकनीकी ज्ञान के साथ उत्पादित किया जा सकता है।

सैम्युल्सन के अनुसार, "उत्पादन सम्भावना वक्र वह वक्र है जो दो वस्तुओं या सेवाओं के उन सभी संयोगों को प्रकट करता है जिनका अधिकतम उत्पादन एक अर्थव्यवस्था के दिए हुए साधनों तथा तकनीक के द्वारा साधनों के पूर्ण रोजगार की स्थिति में सम्भव होता है।"

प्रश्न 9. उत्पादन सम्भावना वक्र मूल बिन्दु की ओर अवतल क्यों होता है? स्पष्ट कीजिए। (Why is production possibility curve concave towards origin? Explain.) (*JAC*, 2013, 14, 15; *CBSE*, 2014)

उत्तर – उत्पादन सम्भावना वक्र उन दो या दो से अधिक वस्तुओं के विभिन्न संयोगों को प्रदर्शित करने वाली रेखा है जिन्हें एक उत्पादन संस्थान या अर्थव्यवस्था में दिए हुए संसाधनों और तकनीकी ज्ञान के द्वारा एक समय विशेष पर उत्पादित किया जाता है। अर्थव्यवस्था में एक वस्तु के उत्पादन की मात्रा को बढ़ाने के लिए दूसरी वस्तु की मात्रा को कम करना पड़ता है। यही कारण है कि उत्पादन सम्भावना वक्र का झुकाव ऊपर से नीचे दाहिनी ओर होता है।

उत्पादन सम्भावना वक्र मूल बिन्दु की ओर अवतल होता है (Production Possibility Curve is concave towards origin)– सभी उत्पादन सम्भावना वक्र अपने मूल बिन्दु के प्रति अवतल होते हैं। इसका अभिप्राय यह है कि जब हम किसी एक वस्तु (X वस्तु) का उत्पादन बढ़ाना चाहते हैं तो हमें दूसरी वस्तु (Y वस्तु) के उत्पादन का त्याग करना पड़ेगा और X वस्तु की प्रत्येक अतिरिक्त इकाई के लिए Y की उत्तरोत्तर अधिक मात्रा का हमें त्याग करना पड़ेगा जिसके कारण उत्पादन सम्भावना वक्र मूल बिन्दु की ओर अवतल हो जाता है।

प्रश्न 10. "किसके लिए उत्पादन करें" की समस्या की व्याख्या कीजिए। (Explain the problem of "For whom to produce".)

(*CBSE*, 2017, 18)

उत्तर – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2 के उत्तर का दूसरा भाग "**वस्तुओं का उत्पादन किसके लिए किया जाए?**" देखें।

प्रश्न 11. आर्थिक क्रिया किसे कहते हैं? (What is economic activity ?)

उत्तर – असीमित आवश्यकताओं तथा सीमित साधनों से जुड़ी सभी आर्थिक क्रियाएँ अर्थशास्त्र की अध्ययन सामग्री के अन्तर्गत सम्मिलित की जाती हैं।

आधुनिक अर्थशास्त्रियों के अनुसार, "उस क्रिया को आर्थिक क्रिया कहते हैं जिसका सम्बन्ध मानवीय आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करने के लिए सीमित साधनों के उपयोग से होता है।"

सभी आर्थिक क्रियाएँ आय सृजित नहीं करतीं अर्थात् यह आवश्यक नहीं कि आर्थिक क्रिया में आय का सृजन हो भी सकता है और नहीं भी। उदाहरण के लिए, उपभोग एक आर्थिक क्रिया है, किन्तु वस्तु के उपभोग द्वारा आय का सृजन नहीं होता।

प्रश्न 12. आर्थिक समस्या मूलत: चुनाव की समस्या है। कैसे? (Economic problem is basically a problem of choice. How ?)

उत्तर – आवश्यकताएँ असीमित और साधन सीमित होते हैं। सीमित साधनों के वैकल्पिक प्रयोग होने के कारण इन साधनों एवं असीमित आवश्यकताओं के बीच एक सन्तुलन बनाने का प्रयास किया जाता है और इसी प्रयास में चुनाव की समस्या उत्पन्न होती है। इस प्रकार आर्थिक समस्या मूलत: चुनाव की समस्या है।

प्रश्न 13. व्यष्टि अर्थशास्त्र से आप क्या समझते हैं? (What do you understand by micro economics ?) (*JAC*, 2016, 18)

उत्तर – अर्थशास्त्र की विषय वस्तु का अध्ययन दो व्यापक शाखाओं के अन्तर्गत किया जाता है। व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र। व्यष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत हम बाजार में उपलब्ध विभिन्न वस्तुओं तथा सेवाओं के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न आर्थिक अभिकर्ताओं के व्यवहार का अध्ययन कर यह जानने का प्रयास करते हैं कि इन बाजारों में व्यक्तियों की अन्त:क्रिया द्वारा वस्तुओं तथा सेवाओं की मात्राएँ और कीमतें किस प्रकार निर्धारित होती हैं।

प्रश्न 14. व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र में क्या अन्तर है? (What is the difference between Micro Economics and Macro Economics ?) (*NCERT*, *JAC*, 2014)

उत्तर – व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर –

व्यष्टि अर्थशास्त्र (Micro Economics)	**समष्टि अर्थशास्त्र** (Macro Economics)
(1) व्यष्टि अर्थशास्त्र में व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक समस्या का अध्ययन किया जाता है, जैसे – एक उपभोक्ता, एक उत्पादक, एक फर्म।	(1) समष्टि अर्थशास्त्र में सम्पूर्ण अर्थशास्त्र की आर्थिक इकाइयों का अध्ययन किया जाता है, जैसे – राष्ट्रीय आय, कुल उपभोग, सामान्य कीमत स्तर।
(2) व्यष्टि अर्थशास्त्र में व्यक्ति और फर्म के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है।	(2) समष्टि अर्थशास्त्र में समाज और सरकार के व्यवहार का अध्ययन होता है।
(3) व्यष्टि अर्थशास्त्र इस मान्यता पर आधारित है कि समष्टि प्राचल (Macro Parameters) स्थिर रहते हैं।	(3) समष्टि अर्थशास्त्र में व्यष्टि प्राचलों (Micro Parameters) को स्थिर माना जाता है।
(4) व्यष्टि अर्थशास्त्र में एक वस्तु की कीमत के निर्धारण का अध्ययन होता है।	(4) समष्टि अर्थशास्त्र में सामान्य कीमत स्तर का अध्ययन होता है।
(5) व्यष्टि आर्थिक समस्याओं के निदान में कीमत संयंत्र (Price Mechanism) अर्थात् माँग और पूर्ति शक्तियों की भूमिका निर्णायक होती है।	(5) समष्टि आर्थिक समस्याओं, जैसे – रोजगार, गरीबी, स्फीति आदि के समाधान में सरकारी भूमिका निर्णायक होती है।

प्रश्न 15. 'कैसे उत्पादन किया जाए' की समस्या से क्या अभिप्राय है?
(What is meant by the problem "How to produce ?")

उत्तर– संसाधनों के आवण्टन से सम्बन्धित दूसरी समस्या उत्पादन तकनीक के चुनाव की है। वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन दो प्रकार से किया जा सकता है–(i) श्रम प्रधान तकनीक के प्रयोग द्वारा, (ii) पूँजी प्रधान तकनीक के प्रयोग द्वारा। पहली तकनीक में वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन श्रम की अधिक मात्रा और पूँजी की कम मात्रा लगाकर किया जाता है। जबकि दूसरी तकनीक में प्रति इकाई उत्पादन के लिए पूँजी की मात्रा अधिक और श्रम की मात्रा का कम प्रयोग किया जाता है। अत: अर्थव्यवस्था को उत्पादन की इन दो वैकल्पिक तकनीकों में चुनाव करना पड़ता है तथा यह निर्णय लिया जाता है कि उत्पादन की कौन-सी तकनीक को अपनाया जाये जिससे कि प्रति वस्तु लागत कम से कम हो।

प्रश्न 16. उत्पादन सम्भावना वक्र की मान्यताएँ बताइए। (Mention the assumptions of Production Possibility Curve.)

उत्तर–उत्पादन सम्भावना वक्र की मान्यताएँ निम्नलिखित हैं :

(i) **उत्पादन के साधनों की स्थिर मात्रा**–उत्पादन के साधनों की मात्रा स्थिर है परन्तु सीमित मात्रा में उन्हें एक प्रयोग से दूसरे प्रयोग में हस्तान्तरित किया जा सकता है।

(ii) **उपलब्ध साधनों का पूर्ण एवं कुशल उपयोग**–अर्थव्यवस्था में उपलब्ध सभी साधनों का पूर्ण एवं कुशलतापूर्वक प्रयोग किया जा रहा है।

(iii) **स्थिर तकनीक**–उत्पादन की तकनीक स्थिर है अर्थात् उसमें कोई परिवर्तन नहीं हो रहा है।

(iv) **दो वस्तुएँ**–अध्ययन की सरलता की दृष्टि से यह मान लिया गया है कि अर्थव्यवस्था में केवल दो वस्तुओं या वस्तुओं के दो संयोगों का उत्पादन किया जाता है; जैसे–गेहूँ तथा कपड़ा या पूँजीगत वस्तु तथा उपभोक्ता वस्तु।

प्रश्न 17. 'कैसे उत्पादन किया जाए' की समस्या से क्या अभिप्राय है?
(What is meant by the problem "How to produce?")

अथवा (*Or*)

'तकनीक के चयन' की केन्द्रीय समस्या समझाइए। (Explain the central problem of "Choice of technique.") (*CSEB*, 2018)

उत्तर–संसाधनों के आवण्टन से सम्बन्धित दूसरी समस्या उत्पादन तकनीक के चयन की है। वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन दो प्रकार से किया जा सकता है–(i) श्रम प्रधान तकनीक के प्रयोग द्वारा, (ii) पूँजी प्रधान तकनीक के प्रयोग द्वारा। पहली तकनीक में वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन श्रम की अधिक मात्रा और पूँजी की कम मात्रा लगाकर किया जाता है जबकि दूसरी तकनीक में प्रति इकाई उत्पादन के लिए पूँजी की मात्रा अधिक और श्रम की मात्रा का कम प्रयोग किया जाता है। अत: अर्थव्यवस्था को उत्पादन की इन दो वैकल्पिक तकनीकों में चुनाव करना पड़ता है तथा यह निर्णय लिया जाता है कि उत्पादन की कौन-सी तकनीक को अपनाया जाये जिससे कि प्रति वस्तु लागत कम-से-कम हो।

Scanned with CamScanner